कही देख दुखिया दुखी तेरा मन है यहीं तो भजन हैं

कही देख दुखिया दुखी तेरा मन है
यहीं तो भजन हैं यहीं तो भजन हैं

कोई गिर गया है में कैसे उठाऊ
उठाने से पहले स्वयं गिर ना जाऊं
वो रोता है यदि तेरे मन में रूदन हैं
वो रोता हैं यदि तेरे मन में रूदन है' फ़िर प्यारे
यही तो भजन हैं यहीं तो भजन हैं

जरूरी नहीं है तुम्हें साधना की
ना बातें करो तुम कभी अर्चना की
दया है तो तन यह भजन का भवन हैं
दया है तो तन यह भजन का भवन हैं
यही तो भजन हैं यही तो भजन हैं

कही एक अंधे को रस्ता दिखाया
द्रिसीत को बिठा करके पानी पिलाया
वो हैं सन्त राही का सत सत नमन है
वो हैं सन्त राही का सत सत नमन है
यहीं तो भजन हैं यहीं तो भजन हैं ।।